अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

कक्षा - बारहवीं

विषय कोड संख्या -523

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।

Downloaded from cclchapter.com

11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।

12.उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13.उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करें

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड संख्या -523

कक्षा : बारहवीं अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
1			1x5=5
	क ख ग घ ड़	(III) राष्ट्रीय संस्कृत की चेतना (III) मूल्यों से (I) सभ्यता के भीतर ही संस्कृति का विकास (I) भोगवाद से मुक्त होने के कारण (II) सम्मानित	1 1 1 1 1

Downloaded from cclchapter.com

2			1x5=5
	I. II. III. . IV V	ख) रूपक क) सूर्योदय के समय हलचल हो जाती है घ) सूर्य के सामने चंद्रमा को निस्तेज देख कर वह ठिठक जाता है घ) पक्षिगण सूर्य की फौज है घ) पादप	1 1 1 1 1
3			1x 10=10
	I. II. III. IV. V. VI. VII. VIII. IX. X. .	(घ) इसके आगे पीछे कोई नियंत्रण न हो (ग) दुख और सुख (क) आमों का झरना (क) अफ्रो एशियाई (ख) हिम्मत जुटाना के लिए (ग) बालक की इच्छाओं की धाराएं (क) मैं यावज्जन्म लोक सेवा करूंगा (क) 16 बरस की आयु में (घ) इच्छाओं की (क) पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
4			1x5=5
	I. II. III. IV. V. .	निर्मल वर्मा सिंगरौली के अपार खनिज संपदा जंगलों की कटाई से ठेकेदार वन अधिकारियों और सरकारी करिंदों का जहां कोई वापसी नहीं	1 1 1 1 1
5		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
		क) अख़बार वाली घटना के माध्यम से हमें नेहरू जी के व्यक्तित्व में सहनशीलता, मितभाषी और शालीनता के होने का पता चलता है। अख़बार वाली घटना यह है कि लेखक नेहरू जी के पढ़े हुए अख़बार को पढ़ रहा था। **ख): कुटज, कठिन परिस्थितियों मे भी हर यात्राओं को झेलते हुए जिंदा रहता है। वह निर्जन पड़ी जमीन से भी अपने लिए जल और लवण खोज लेता है और वहाँ भी फलता फूलता है। कुटज से हमें यह उपदेश मिलता है कि जीवन में हर कठिन परिस्थितियों का सामना धैर्य और साहस से करना चाहिए। हमें कठिन परिस्थितियों को देखकर घबराना नहीं चाहिए।** **ग)हम गंगा जी की आरती देखने के लिए हर की पौड़ी के घाट पर गए। उस घाट पर गंगा जी की आरती बहुत ही भव्य रूप से की जाती है हम उस भव्य आरती का इंतजार कर रहे थे। रात्रि के समय हर की पौड़ी के घाट को हर तरफ से दियो से सजा दिया जाता है और यह दृश्य बहुत अद्भुत होता है। रात्रि के समय इस घाट पर गंगा जी की आरती ही सुनाई देती है।**	2 2 2

Downloaded from cclchapter.com

6			1x10=10
	I. II. III. IV. V. VI. VII. VIII. IX. X. .	(ग) देश के बाहर से आए हुए व्यक्तियों का समूह (क) धूल का बवंडर उठना है और लोगों के मुंह में धूल भर जाती है (ख) आरती की (ग) अनुप्रास अलंकार (क) राजा रतन सेन (ग) फागुन (ख) कौशल्या राम के लिए (घ) जीवन के अवरोधों को (ग) धर्म जाति (क) स्तंभ	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
7			6x1=6
		प्रसंग व्याख्या काव्य -सौन्दर्य	1 3 2
8		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
		(क) खाली कटोरों में वसंत का उतरना' का आशय है कि भिखारी को भीख मिलने लगी है। इससे पहले उन्हें भीख नसीब नहीं हो रही थी। (ख) : गीत की सार्थकता गायन से जुड़ी है। इसी प्रकार मोती की सार्थकता तभी है जब गोताखोर उसे निकालकर बाहर ले आए। (ग) अगहन मास में दिन छोटे हो जाते हैं और रातें बड़ी हो जाती हैं। नागमती के लिए यह परिवर्तन बहुत कष्टप्रद है क्योंकि दिन तो जैसे-तैसे कट जाता है परन्तु रात नहीं कट पाती। रात में उसे रह-रहकर प्रिय की याद सताती है। वह घर में अकेली होती है।	2 2 2
9		**अंतराल भाग -2 के आधार किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x3=6
		(क) माँ के दूध का सेवन ही कर रहे थे कि उनके छोटे भाई का जन्म हो गया। छोटे भाई के जन्म के कारण उन्हें माँ का दूध पिलाना बंद कर दिया गया। अब माँ का दूध छोटा भाई पीता था। बिसनाथ इसे स्वयं पर अत्याचार कहते हैं। (ख) यह कथन में निहित भाव इस प्रकार था कि सूरदास के जल रहे घर से उसके शत्रुओ को प्रसन्नता हो रही थी जगधर के पूछने पर की आज चूल्हा ठंडा नही किया है इसके उत्तर में नायकराम ने यह उत्तर दिया है कि चूल्हा ठंडा किया था तो दुश्मनों का कलेजा केसा ठंडा होता था । (ग) वह उसे अपने विषय में बताना नहीं चाहता था और न ही अपने विषय में कोई बात करना चाहता था। अतः जब भी रूप सिंह महीप से उसके विषय में कुछ	2 2 2

Downloaded from cclchapter.com

		पूछता था, तो वह बात को टाल देता था। वह अपने माँ के साथ हुए अन्याय को बताना नहीं चाहता था। **(घ)** विद्यार्थी विवेक के आधार पर उत्तर दें।	2
10	क		1x4=4
		I. .लाइव से आशय प्रत्यक्ष वर्णन से है। किसी घटना का ज्यों का त्यों प्रत्यक्ष वर्णन उसी समय वर्णित करना ही 'लाइव' कहलाता है। लाइव का हिंदी में सरल अर्थ होगा, सीधा प्रसारण। लाइव शब्द का प्रयोग मीडिया में बहुतायत से किया जाता है। II. : भाषा सहज, प्रवाहमय और स्पष्ट होनी चाहिए। वाक्य छोट-छोटे और अपने आप में पूर्ण होने चाहिए। ... कुछ ऐसे विषय भी होते हैं जिसमें आलंकारिक भाषा, शब्द सौंदर्य तथा अर्थ गांभीर्य अपेक्षित होता है III. एंकर बाइट- बाइट यानी कथन, जब घटना के साथ उसकी पुष्टी के लिए किसी प्रत्यक्ष दर्शी अथवा अन्य संबंधित व्यक्ति का कथन सुनाया जाता है तो उसे एंकर बाइट कहते हैं। IV. इंटरनेट	1 1 1 1
	ख		3x 2=6
		I. पत्रकारीय लेखन में अलंकारिक - संस्कृतनिष्ठ भाषा-शैली के बजाय आम बोलचाल की भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। पाठकों को ध्यान में रखकर ही अखबारों में सीधी, सरल, साफ़-सुथरी लेकिन प्रभावी भाषा के इस्तेमाल पर जोर दिया जाता है। शब्द सरल और आसानी से समझ में आने वाले होने चाहिए।त्रकरिता या पत्रकारीय लेखन के अन्तर्गत सम्पादकीय, समाचार, आलेख, रिपोर्ट, फीचर, स्तम्भ तथा कार्टून आदि आते हैं। पत्रकारीय लेखन का प्रमुख उद्देश्य है- सूचना देना, शिक्षित करना तथा मनोरंजन आदि करना। इसके कई प्रकार हैं यथा- खोज परक पत्रकारिता, वॉचडॉग पत्रकारिता और एड्वोकैसी पत्रकारिता आदि।पत्रकार तीन तरह के होते हैं- पूर्णकालिक, अंशकालिक और फ्रीलांसर यानी स्वतंत्र। II. प्रिंट मीडिया के माध्यम से रेडियो, टी०वी० या इंटरनेट की तरह तुरंत घटी घटनाओं को संचालित नहीं कर सकते। ये एक निश्चित अवधि पर प्रकाशित होते हैं। जैसे अखबार 24 घंटे में एक बार या साप्ताहिक पत्रिका सप्ताह में एक बार प्रकाशित होती है।	3 3
	ग	बच्चे अपने विवेक अनुसार लिखें।	5x1=5
11		Downloaded from cclchapter.com	2x 5=10

	क) भगवान बुद्ध का अष्टांगिक मार्ग देता है जीवन को दिशा ख) भगवान बुद्ध का अष्टांगिक मार्ग : भगवान बुद्ध ने अष्टांगिक मार्ग का उपदेश दिया था। ... ग) सम्यक दृष्टि : ... घ) सम्यक संकल्प : ... ङ) सम्यक वाणी : ... च) सम्यक कर्मांत : ... छ) सम्यक आजीविका : ... ज) सम्यक व्यायाम : ... झ) सम्यक स्मृति : ख)। 9-10 सितंबर 1965 को असल उत्तर की लड़ाई में, हामिद ने आठ पाकिस्तानी टैंक नष्ट कर दिए और नौवें टैंक को नष्ट करने की कार्रवाई में मारा गया। ग) – ऋषि उन ज्ञानियों को संज्ञा दी जाती है, जिन्होंने वैदिक रचनाओं का निर्माण किया था। उन्हें कठोर तपस्या के बाद यह उपाधि प्राप्त होती है। ऋषि वह कहलाते हैं जो क्रोध, लोभ घ)वेदों के अनुसार ब्रहमांड की उत्पत्ति कैसे हुई? वेदों के अनुसार परमात्मा तीन कार्य करता है । जगत (ब्रहमान्ड + सृष्टि) की उत्पत्ति परमात्मा अपने अनन्त ज्ञान और सामर्थ्य से करता है और बार बार करता है अर्थात उत्पत्ति के बाद प्रलय और प्रलय के बाद उत्पत्ति ञ) अस्वच्छ व्यक्ति के आसपास कोई नहीं रहना चाहता वह दूसरों की नजरों से गिर जाता है । रोग ग्रस्त हो जाता है । अस्वच्छता परस्पर सौहार्द भाव में बाधा डालती है । अस्वच्छता से पर्यावरण प्रदूषित होने से अनेक प्रकार की बीमारियां जन्म लेती हैं। .	2 2 2 2 2

Downloaded from cclchapter.com

Downloaded from cclchapter.com